Roll No..... Total No. of Sections : 3

Total No. of Printed Pages : 5

Online Annual Examination, 2022

Code No. : BA-118

B.A. I

SANSKRIT

Paper II

[गद्य कथा तथा साहित्येतिहास]

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट: खण्ड 'अ' अति लघु उत्तरीय प्रकार का, जिसमें दस प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' में लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं एवं खण्ड 'स' में दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। खण्ड 'अ' को सबसे पहले हल किया जाना है।

खण्ड 'अ'

निम्नांकित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर **एक या दो** वाक्यों में दीजिए। **[1 × 10 = 10]**

1. शुकनासोपदेश: में कौन-सी संधि है ?
2. शुकनासोपदेश: किस ग्रन्थ का एक भाग है ?
3. बाणभट्ट के पुत्र का क्या नाम है ?
4. हितोपदेश में कितनी कथाएँ हैं ?

5. आख्यायिका किसे कहते हैं ?
6. पुत्र को कैसा होना चाहिए ?
7. वेद कितने हैं ?
8. वेदाङ्ग से क्या तात्पर्य है ?
9. महाकवि कालिदास की कोई दो रचना (काव्य) लिखिए।
10. महाकवि हर्ष की कोई एक रचना का नाम लिखिए।

खण्ड 'ब'

निम्नांकित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-200** शब्द सीमा में दीजिए। **[5 × 5 = 25]**

1. निम्नांकित गद्यांश का हिन्दी अनुवाद व्याख्या सहित कीजिए–

"तात चन्द्रापीड। विदितवेदितव्यस्य

अधीत सर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्ट–

व्यामस्ति। केवलञ्च निसर्गत एव

अभानुभेद्यमरत्वा लोकभेद्यमप्रदीप प्रभापनेय–

मतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।"

अथवा

गर्भेश्वरत्वमभिनव यौवनत्वम प्रतिमरूपत्वममानुष–

शक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा।

सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्,

किमुत समवायः।

2. निम्नांकित सुभाषित की व्याख्या कीजिए–

वरमेको गुणीपुत्रो नाच मूर्खशतान्यपि।

एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारागणैरपि॥

अथवा

रूपयौवन सम्पन्ना, विशालकुल सम्भवाः।

विद्याहीना न शोभन्ते, निर्गन्धा इव किंशुकाः॥

3. हरति च सकलम् अतिमलिनमप्यन्धकार–

मिव दोषजातं प्रदोषसमये निशाकर इव गुरुपदेशः।

इस वाक्यांश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

इस श्लोकांश की व्याख्या कीजिए।

4. उपनिषद् क्या है ? अपने शब्दों में उपनिषदों का परिचय दीजिए।

अथवा

वेदों का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए–

महाकवि माघ **अथवा** महाकवि अम्बिकादत्त व्यास

खण्ड 'स'

निम्नांकित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग **300-350** शब्द सीमा में दीजिए। **[8 × 5 = 40]**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. शुकनासोपदेश के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हितोपदेश के रचयिता का परिचय देते हुए इसकी शिक्षाओं पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्

आर्त्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः।

अथवा

उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

3. शुकनासोपदेश कथा का सार लिखिए।

अथवा

हितोपदेश मित्र लाभ से कोई एक कथा अपने शब्दों में लिखिए।

4. टिप्पणी लिखिए—**(कोई दो)**

(1) वेदांग,

(2) आख्यक,

(3) उपपुराण,

(4) व्याकरण।

5. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए—**(कोई दो)**

(1) महाकवि विशाखदत्त।

(2) महाकवि भारवि।

(3) महाकवि भवभूति।

❐ ❐ ❐ ❐ ❐ d ❐ ❐ ❐ ❐ ❐